सांवलिया प्रभु पारस जी | By Satyjit Jain

शरण लिए तुम्हरो प्रभु पारस जी।।
पारस जी।।
भवसागर से तारो प्रभु पारस जी।।
पारस जी।।

सांवलिया पारस जी।।
शंखेश्वर पारस जी।।
नाकोड़ा पारस जी।।
जय जय जय पारस जी।।

जोकि कमट को मान मिटायो
जलते नाग को जोड़ो बचायो
पांच परमेष्ठी मंत्र सुनाकर
भवसागर से उन्हें उद्धारो
ऐसे करो प्रभु उजियारो पारस जी।।
शरण लिए तुम्हरो प्रभु पारस जी।।
पारस जी।।

सांवलिया पारस जी।।
शंखेश्वर पारस जी।।
नाकोड़ा पारस जी।।
जय जय जय पारस जी।।

जो भी आया शरण तिहारी
उसकी नैया पार उतारी
मैं जून तेरे चरणों का चाकर
दूर करो मेरी दुखों के ढेरी
अब ऑटो करो मेहर प्रभु पारस जी।।
शरण लिए तुम्हरो प्रभु पारस जी।।
पारस जी।।

सांवलिया पारस जी।।
शंखेश्वर पारस जी।।
नाकोड़ा पारस जी।।
जय जय जय पारस जी।।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%82%e0%a4%b5%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%aa%e0%a5%8d%e0%a4%b0%e0%a4%ad%e0%a5%81-%e0%a4%aa%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a4%b8-%e0%a4%9c%e0%a5%80-by-satyjit-jain/